आजादवीर विनायक दामोदर सावरकरजी ऐन खुद जवानी में अपने माताजी के सामने दिया पर हाथ रखके कसम खाऐ रहेनह।. हम अग्रेजन के मारके हरायके अपने मातृभूमि के आजाद करवाईब।ऐकरे के खातीर मरय तक लडब।. ओन वईसन हि किहेन।. सब क्रांतिकारीक ओन प्रेरणा स्थान रहेन हं।.

स्वातंत्र्यवीर सावकरजी क लडिक्यन बिना सिख।.

1) बलवान बन।. रोज व्यायाम कर, कुस्ती लड, दोस्तन के पहिलवान बनाव।.पहलवानी खुदक, माई बहिन क धर्म की, देश क रक्षाकई सकथेन।. ऐनकरे बिना जिय, ऐन सबके लिये मर।.

2) शस्त्र चलावयं सिख, सैना में भरती होव।.

3) अपनी भाषा समझ अऊर सहिकर हर अंग्रेजी शब्दके अपने भाषामें बोलय क कोशीश करकें।. आपन भाषा मरी, तब आपन

संस्कृती मरील।. आपन सबे मरब।. अपनी भाषा में जवन ज्ञान होई ओके लिख। अपनी भाषा के बुद्धी क भंडार बनव।.

4) सोच। जिंदगी क मकसद निश्चित करिहीं। भग्वान के सामने कसम लईहीं। ईस मकसद बिना हम जियब। ईहय मकसद बिना मरब।.

5) हम सब जने एक हई।. छुआ छुत छोड द।.ऐनकर हजारत भक्त मिलकें आपन पईसा डालकर ओनपे ओनकरे नाव क अंग्रेजी अऊर हिंन्दी में फिल्म बनवाऐनह।. ओके आप सब

जरुर देखय।

7) ईसब के बतावयं।.